AMAR UJALA MY CITY Page 1 & 5

लविवि शुरु करेगा ऑनलाइन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, अमर उजाला वेबिनार में वीसी ने दी जानकारी

विद्यार्थी कोर्स और शिक्षक चुन सकेंगे

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। कोरोना महामारी को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय नए शैक्षिक सत्र 2020-21 से ऑनलाइन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) की शुरुआत करने जा रहा है। इसमें शिक्षक और छात्र सभी एक ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लॉगइन के जरिये जुड़ेंगे। इसमें विद्यार्थी अपना कोर्स और शिक्षक चुन सकेंगे। शिक्षक अपने लेक्चर, ई-कंटेंट व अन्य पाठ्य सामग्री इस पर अपलोड करेंगे। विद्यार्थी इसे ऑनलाइन पढ़ सकेंगे। इसके बाद इस सिस्टम पर विद्यार्थियों को ऑनलाइन टेस्ट देने, एसाइनमेंट करने, प्रेजेंटेशन करने का भी अवसर मिलेगा। रविवार को यह जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अमर उजाला के वेबिनार में विद्यार्थियों से संवाद में दी।

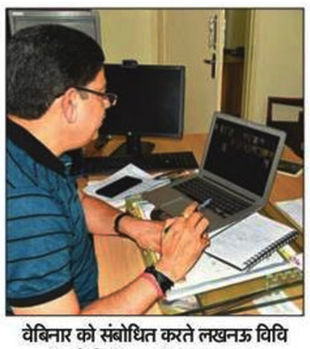

वेबिनार को संबोधित करते लखनऊ विवि के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय।

कुलपति ने बताया कि एलएमएस पर ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज करने की सुविधा होगी। इसके साथ ही विभिन्न आधार पर विश्लेषण भी इस पर उपलब्ध होगा। यह विश्लेषण विद्यार्थियों को किसी कोर्स, पेपर, यूनिट में मिले नंबरों के आधार पर किया जा सकेगा। प्रो. राय ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण शिक्षण संस्थानों में पठन-पाठन की काफी व्यवस्थाएं बदली हैं। ऑनलाइन क्लासेज अब जरूरत बन गई हैं। नया सत्र 2020-21 भी जल्द शुरू होना है, लेकिन संक्रमण के बढ़ते आंकड़ों की वजह से अभी फिजिकल क्लास की संभावना नहीं है। इसे देखते हुए एलएमएस एक प्रभावी व्यवस्था होगी। विद्यार्थियों को भी इसके लिए तैयार रहना चाहिए।

-अमर उजाला वेबिनार : पेज 05

बदलावों के लिए तैयार रहें छात्र

प्रो. राय ने कहा कि कमियों और संसाधनों की कमी के साथ ही हमें भविष्य के बारे में भी सोचना होगा। चुनौतियों के साथ चलना होगा। विश्वविद्यालय इसके लिए तैयार है। विद्यार्थियों को भी खुद को इन बदलावों के लिए तैयार रहना होगा। इसके साथ ही वेबिनार में उन्होंने भविष्य की चुनौतियों व संभावनाओं, भावी योजनाओं व विद्यार्थियों की दिक्कतों पर भी खुलकर अपनी बात रखी।

मास प्रमोशन के बाद भी छात्रों को नंबर सुधारने का मौका मिले

अमर उजाला वेबिनार

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया विद्यार्थियों की शंका और समस्याओं का समाधान

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के इस दौर में परीक्षा बड़ी चुनौती है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने डिग्री स्तर पर अंतिम वर्ष की परीक्षा कराने का निर्देश दिया है। बाकी विद्यार्थियों का मास प्रमोशन करने की बात कही जा रही है, हालांकि अभी इस पर गाइडलाइन जारी होनी है। अगर ऐसा होता है तो विद्यार्थियों को मास प्रमोशन के बाद भी नंबर सुधारने का मौका जरूर मिलना चाहिए। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अमर उजाला की ओर से रविवार को आयोजित वेबिनार में विद्यार्थियों के सवालों का जवाब देते हुए यह मंशा जाहिर की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय पूरी तरह इसके पक्ष में है, लेकिन इसे लेकर शासन के निर्देश का इंतजार किया जा रहा है।

पिछले दिनों विभागाध्यक्षों की बैठक में इस पर चर्चा भी हुई है। प्रो. राय ने कहा कि अच्छा लगा कि विद्यार्थी सिर्फ परीक्षा के स्थगित होने का इंतजार नहीं कर रहे बल्कि अपने भविष्य और आगे की तैयारियों को लेकर भी संजीदा हैं। वेबिनार में काफी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए और परीक्षा, दाखिले व पढ़ाई से संबंधित शंकाओं का समाधान पाया।

कुलपति ने व्हाट्सएप और फेसबुक लाइव के दौरान विद्यार्थियों के सवाल के जवाब भी दिए। इस वेबिनार में लविवि की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, मनोविज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान, विज्ञान संकाय के शिक्षक प्रो. एनके पांडेय और अवध गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्य डॉ. उपमा चतुर्वेदी भी शामिल हुईं।

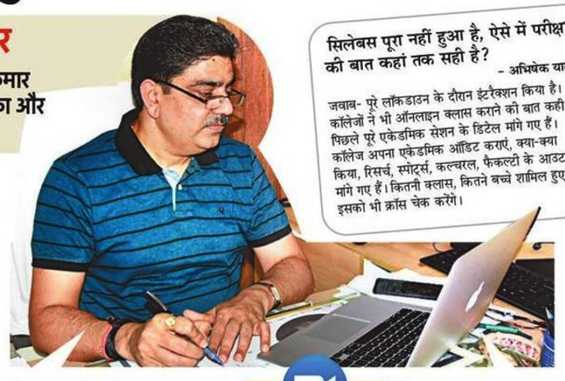

सिलेबस पूरा नहीं हुआ है, ऐसे में परीक्षा की बात कहां तक सही है?
- अभिषेक यादव

जवाब- पूरे लॉकडाउन के दौरान इंटरैक्शन किया है। कॉलेजों ने भी ऑनलाइन क्लास कराने की बात कही है। पिछले पूरे एकेडमिक सेशन के डिटेल मांगे गए हैं। कॉलेज अपना एकेडमिक ऑडिट कराएं, क्या-क्या किया, रिसर्च, स्पोर्ट्स, कल्चरल, फैकल्टी के आउटपुट मांगे गए हैं। कितनी क्लास, कितने बच्चे शामिल हुए, इसको भी क्रॉस चेक करेंगे।

- ***अंतिम वर्ष को छोड़कर अन्य कक्षाओं के मास प्रमोशन की बात कही जा रही है। मास प्रमोशन के बाद सेकेंड ईयर में जाएंगे तो क्या हमें अपने नंबर इंप्रूव करने का अवसर मिलेगा। - शिवांशु मिश्रा***
- अच्छी बात है कि विद्यार्थी सिर्फ मास प्रमोशन की नहीं सोच रहे हैं। हम स्टूडेंट को इसके लिए एक मौका देने के पक्ष में हैं। इस पर चर्चा हो रही है। मैं इसके लिए सहमत हूं। बाकी सरकारी गाइडलाइन के हिसाब से तय होगा।
- ***लविवि में दाखिला मेरिट से होगा या फिर प्रवेश परीक्षा से? - अश्विनी सिंह***
- मौजूदा परिस्थितियों में हम इसका आकलन कर रहे हैं। स्नातक और परास्नातक स्तर पर अलग-अलग प्रणाली पर भी चर्चा हुई है, लेकिन फिलहाल कुछ तय नहीं हुआ है। परिस्थितियों का आकलन करके इस पर निर्णय होगा। प्रवेश संबंधी कोई भी सूचना वेबसाइट पर अपडेट की जाएगी।

अब खबर पढ़ें ही नहीं देखें भी
स्कैन करें क्यूआर कोड

- ***दाखिले पर अभी तक स्थिति साफ नहीं है, प्रवेश प्रक्रिया कैसी होगी? - अमर राय***
- विवि पहली बार केंद्रीकृत प्रवेश की व्यवस्था कर रहा है। विद्यार्थी लविवि का फॉर्म भरे, प्रवेश परीक्षा और इसकी काउंसलिंग में शामिल हो। इसके बाद उसे जिस कॉलेज में दाखिला चाहिए, ले सकेगा। हमने इंटीग्रेसन का प्रयास किया है। अभी कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ बैठक की है। प्रवेश का फार्मेट तय करेंगे। इसकी पूरी जानकारी वेबसाइट पर मिलेगी।
- **मास प्रमोशन की सूरत में क्या परीक्षा शुल्क में कोई रियायत होगी? - ज्ञानेश, प्रथम, विवेक व अन्य छात्र**
- पहले के मुकाबले परीक्षा के खर्च भी बढ़ गए हैं। विवि की वित्तीय स्थिति को देखते हुए, यह कितना संभव होगा यह देखना होगा। राज्यपाल, सीएम, डिप्टी सीएम ने विवि की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कई प्रयास शुरू किए हैं।

- बीटेक में डेवलपमेंट फीस 50 हजार रुपये ली जा रही है। इसे कम किया जाना चाहिए।
  - मानव व इंजीनियरिंग संकाय के विद्यार्थी

प्रोफेशनल कोर्स में सामान्य फीस की अपेक्षा नहीं की जा सकती है। वेबसाइट पर जाकर हमारा फाइनेंशियल स्टेटमेंट देख लें पता चल जाएगा कि विवि की आर्थिक स्थिति कैसे है। इसी आधार पर फीस तय होती है।

- **पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया कब तक पूरी होने की उम्मीद है। जेआरफ उत्तीर्ण हूं। पीएचडी दाखिला न होने से काफी चिंतित हूं। - राकेश कुमार मौर्या**
- लविवि में 16,17,18 और 19 मार्च में पीएचडी प्रवेश परीक्षा प्रस्तावित थी। दो दिन की प्रवेश परीक्षा हो चुकी है और दो दिन की अभी बाकी है। हम उसके आधार पर पूरा प्रवेश नहीं ले सकते हैं। सरकार के निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। जब तक विद्यार्थी परिसर मेंफिजिकली आना शुरू नहीं करते तब तक प्रवेश करना आसान नहीं होगा।
- **जिन विद्यार्थियों का किसी भी ईयर में पेपर का बैक है, उनका प्रमोशन किस आधार पर किया जाएगा? - मिताली व अन्य विद्यार्थी**
- अभी इस संबंध में सरकार के निर्देश का इंतजार है। जैसा निर्देश मिलेगा उसके आधार पर निर्णय होगा।
- **लॉ सिक्स्थ सेमेस्टर की विद्यार्थी हूं। एलएलएम करना चाहती हूं। लविवि में आवेदन करने के लिए नंबर लिखना जरूरी है। इसलिए आवेदन में एपीयरिंग की सुविधा दी जाए। - अनम सिंह**
- परेशान न हों। लविवि की प्रवेश संबंधी हेल्पलाइन पर संपर्क करके जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। समस्या का समाधान किया जाएगा।
- **जज्बात ग्रुप के नाम से हमने विभिन्न हस्तियों को इससे जोड़ा है। इन हस्तियों ने विद्यार्थियों की काफी मदद की। विवि के स्तर पर भी क्या इस तरह के प्रयास किए जा सकते हैं? - देवांश**
- यह विचार है। डीएसडब्ल्यू के माध्यम से इसे आगे बढ़ाया जाएगा।
- ***आयुर्वेद संकाय में भी क्या मास प्रमोशन होंगे? - शुभम गौड़ व आयुर्वेद संकाय के विद्यार्थी***
- मेडिकल या किसी भी ऐसे पाठ्यक्रम जिसमें रेगुलेटरी बॉडी है तो उस बॉडी के निर्देश के अनुसार ही कोई फैसला किया जाएगा।
- **बीएड प्रवेश परीक्षा कब होगी? - मोहित**
- फिलहाल परीक्षा नौ अगस्त को प्रस्तावित है। परिस्थितियों के अनुसार ही इस पर निर्णय लिया जाएगा।
- **चार जिले के कॉलेजों को लखनऊ विवि से जोड़ा जाना है। यह प्रक्रिया कब तक पूरी हो जाएगी? - राहुल**
- इसके बारे में अभी आधिकारिक जानकारी नहीं है, इसलिए कुछ कहना संभव नहीं है।
- **मौजूदा हालात में परीक्षा पैटर्न में कोई बदलाव होगा? - सलोनी भारद्वाज**
- इस संबंध में सरकार की जो गाइडलाइन होगी उसे लागू करेंगे।
- **कोरोना में कृषि से जुड़ा काम चल रहा है। लविवि में कृषि संकाय नहीं है, लेकिन तीन कृषि महाविद्यालय संबद्ध हैं। लविवि कृषि से संबंधित कोई गाइडलाइन जारी क्यों नहीं करता? - सत्येंद्र सिंह**
- कृषि के लिए सपोर्ट मैकेनिज्म डेवलप करेंगे, लेकिन गाइडलाइन जारी करने का काम सरकार का है। विवि इसमें कुछ नहीं कर सकता।
- **होम साइंस से पीएचडी कर रही हूं। वाइवा का समय आ गया है तारीख कैसे मिलेगी? - बबिता सिंह**
- संबंधित विभागाध्यक्ष से संपर्क करें। विशेष तौर पर ऑनलाइन वाइवा की अनुमति भी दी जा रही है।
- **पीजी डिजटरेशन कैसे करें? - रीता अवस्थी**
- सभी विभागों के अपने-अपने रूल हैं। इस संबंध में विभाग में संपर्क करिए।

कोरोना काल में भी सामान्य दिनों जैसा काम

कोरोना संक्रमण काल में छात्रों से जुड़ी कई नई गतिविधियां विश्वविद्यालय ने शुरू की हैं। हमने कर्मयोगी योजना शुरू की, जिसमें स्टूडेंट हमारे काम में सहयोग करेगा और इसके बदले वे अर्न भी करेंगे। हमने ऑनलाइन क्लासेज जैसे फिजिक्स में 450 लेक्चर व कई अंतरराष्ट्रीय वेबिनार भी किए हैं। पीएचडी स्टूडेंट का रिसर्च आउटपुट बढ़ाया है। यह 60 फीसदी सुधरा है। लविवि ने कोरोना काल में सामान्य दिनों से कम काम नहीं किया है।
- **प्रो. पूनम टंडन,** डीएसडब्ल्यू, लविवि

कुछ अलग करना होगा

कोरोना काल में हमें कुछ अलग करना होगा। पहले साल विवि में आने वाले स्टूडेंट्स को चीजों की कम जानकारी रहती है। मेरी अधिकतर क्लास गूगल बेस्ड होती है। हमें क्लास में वेव के बारे में बताना है तो इसके लिए एनिमेशन की जरूरत होती है। मैंने लेक्चर में एनिमेशन को शामिल किया है। वेब को बिना विजुअल के नहीं समझा जा सकता है। हम लेक्चर व ई-कंटेंट यू-ट्यूब, विवि की वेबसाइट पर अपलोड करते हैं।
- **प्रो. एनके पांडेय,** फिजिक्स डिपार्टमेंट, लविवि

शिक्षक बनकर आया है कोरोना काल

कोरोना काल में हम स्टूडेंट से जुड़े रहे। ऑनलाइन क्लास नियमित होती है। यूजी के स्टूडेंट्स का नुकसान हो रहा था। हमने वीडियो लेक्चर उन्हें उपलब्ध कराया। प्रैक्टिकल का वाइवा तैयार करने में मदद की। कॅरियर अपॉर्च्युनिटी पर वेबिनार कराया। हैप्पी थिंकिंग लैब की कवायद चल रही है। स्टूडेंट की समस्या समाधान के लिए काउंसलिंग करते हैं। कोरोना काल एक शिक्षक बनकर आया है।
- **डॉ. मधुरिमा प्रधान,** विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग

वेबसाइट पर अपलोड करते हैं नोट्स

हम अपने नोट्स को कॉलेज व यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के साथ सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी अपलोड करते हैं। अपराजिता और मंथन दो कार्यक्रम भी शुरू किया। अपराजिता में विद्यार्थियों के मानसिक तनाव कम करने का प्रयास करते हैं। साइकोलॉजिस्ट को स्टूडेंट से कनेक्ट कराते हैं। मंथन में कॉलेज के फेसबुक पेज इस पर आठ लेक्चर कराए हैं। इसे तीन हजार लोगों ने देखा। इसे हर रविवार 11.30 से 12.30 बजे तक आयोजित करते हैं। यह मुश्किल समय भी निकल जाएगा।
- **डॉ. उपमा चतुर्वेदी,** प्राचार्या, अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज

कोर्स के हिसाब से कॉलेजों के संसाधनों का होगा सत्यापन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयुक्त कॉलेज अब बगैर संसाधनों के पाठ्यक्रमों का संचालन नहीं कर सकेंगे। विवि प्रशासन ने सभी कॉलेजों को 15 जुलाई के बाद उनके यहां चलने वाले पाठ्यक्रम तथा भौतिक और बौद्धिक इंफ्रास्ट्रक्चर का ब्यौरा देना होगा। विवि इस ब्यौरे का सत्यापन कराएगा। सत्यापन में गलत मिलने पर कॉलेज पर कार्रवाई की जाएगी। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रविवार को सभी कॉलेज के प्राचार्यों के साथ ऑनलाइन मीटिंग की। बैठक में सभी कॉलेजों को एकेडमिक ऑडिट के साथ ही कई अन्य निर्देश भी दिए गए। लविवि कुलपति ने बताया कि सभी कॉलेजों को अनिवार्य रूप से एकेडमिक ऑडिट कराना होगा। इस ऑडिट में कॉलेजों को लविवि द्वारा निर्धारित फॉर्मेट पर सूचनाएं देनी होंगी। साथ ही कॉलेजों को पिछले शैक्षिक सत्र में उनके यहां हुए कामों और अगले साल की योजनाओं का पूरा ब्यौरा देने को कहा है। कॉलेजों के विकास के लिए खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां लविवि के साथ संचालित होंगी। इसमें कॉलेज और विवि दोनों के संसाधनों का उपयोग किया जाएगा। खेल को लखनऊ विवि की एथलेटिक्स तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को अधिष्ठाता छात्र कल्याण के माध्यम से संचालित किया जाएगा।

लविवि कुलपति ने कॉलेजों के साथ की ऑनलाइन मीटिंग, अनिवार्य एकेडमिक ऑडिट समेत कई निर्देश जारी

- **फैकल्टी आउटपुट की भी मांगी जाएगी रिपोर्ट :** अभी तक लविवि का कॉलेज की कक्षाओं पर कोई नियंत्रण नहीं रहता था। इसको ध्यान में रखते हुए विवि ने कॉलेजों से उनके शिक्षकों का आउटपुट देने को कहा है। इसमें कॉलेजों को उनके यहां के शिक्षकों द्वारा ली कक्षाओं का ब्यौरा, शोध तथा अन्य गतिविधियों की जानकारी मिल सकेगी।
- **दाखिलों पर होगी सख्ती :** बैठक में विवि प्रशासन ने साफ किया है कि दाखिलों में किसी प्रकार की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुलपति ने साफ किया कि एनसीटीई या फिर अन्य रेग्युलेटरी बॉडीज के प्रावधानों का कॉलेजों को पूरा पालन करना होगा। इसी तरह आरक्षण से संबंधित नियमों का सख्ती से पालन कराने की बात भी कही गई है। ऐसा न होने पर दाखिलों को मान्यता नहीं दी जाएगी।

लविवि की वेबसाइट पर देनी होगी नियुक्ति की सूचना

कॉलेजों में होने वाली नियुक्तियों में पारदर्शिता लाने के लिए विवि प्रशासन ने कॉलेजों को उनकी हर नियुक्ति की सूचना विवि की वेबसाइट पर डालने के निर्देश दिए हैं। इस तरह से कॉलेजों में चोरी छिपे होने वाली नियुक्तियों पर रोक लग सकेगी।

NBT Page 4

'ई-लर्निंग को बढ़ावा दें कॉलेज'

महाविद्यालय विकास परिषद की हुई ऑनलाइन बैठक में एलयू वीसी बोले

■ एनबीटी, लखनऊ

महाविद्यालय विकास परिषद ने शनिवार को पिछले अकादमिक सत्र की उपलब्धियों और नए शैक्षिक सत्र की योजनाओं को लेकर ऑनलाइन बैठक की। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में 120 से अधिक कॉलेजों के प्रबंधक और प्रधानाचार्या भी मौजूद रहे।

बैठक में कुलपति प्रो. आलोक राय ने हर कॉलेज से अकादमिक सत्र का अकैडमिक ऑडिट करवाने, ई-लर्निंग, ई-कंटेंट विधियों को बढ़ावा देने, छात्र परामर्शदाता नियत करने, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि कॉलेजों को इन सभी का मूल्यांकन कर उसकी जानकारी विश्वविद्यालय को उपलब्ध करवानी होगी। साथ ही स्वमूल्यांकन करते हुए आवश्यक कदम उठाने होंगे।

महाविद्यालय विकास परिषद के प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने कार्यसूची के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. अनिल मिश्रा, पूनम टंडन, परीक्षा नियंत्रक प्रो. ए.एम. सक्सेना, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. अरविन्द मोहन, प्रो. मोनिशा वनर्जी भी मौजूद रहीं।

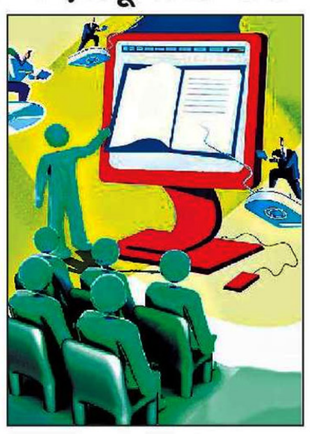

HINDUSTAN Page 6

कुलपति ने महाविद्यालयों के प्रबन्धक, प्राचार्य संग ऑनलाइन बैठक की

एलयू: सभी कॉलेजों का शैक्षिक मूल्यांकन होगा

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने कॉलेजों में पढ़ाई के स्तर को बेहतर बनाने के लिए पहल की है। सभी कॉलेजों के शैक्षिक मूल्यांकन (एकेडमिक ऑडिट) कराने का फैसला लिया गया है। कॉलेजों को बताना है कि पिछले शैक्षिक सत्र (जुलाई 19 से जून 20 तक) उन्होंने शैक्षिक स्तर पर क्या-क्या किया? कितनी कक्षाएं कराईं। इसमें, कक्षाओं के साथ शोध, खेलकूद, सांस्कृतिकी आयोजनों तक की जानकारी देनी होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के महाविद्यालय विकास परिषद् (सीडीसी) की ओर से रविवार को आयोजित सहयुक्त महाविद्यालयों के प्रबन्धक/ प्राचार्य की ऑनलाइन बैठक में यह घोषणा की गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में प्रो. राय ने यह भी बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ महाविद्यालयों के शैक्षिक स्तर को उठाने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे छात्र-छात्राओं का फायदा होगा।

विवि की गतिविधियों से जुड़ेंगे कॉलेजों के छात्र

कॉलेजों के छात्रों को लखनऊ विश्वविद्यालय से जोड़ने की भी कवायद हो रही है। कुलपति ने बताया कि अब विश्वविद्यालय के स्तर पर होने वाले सभी खेलकूद और सांस्कृतिक आयोजनों में महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को शामिल किया जाएगा। इन गतिविधियों का आयोजन भी महाविद्यालयों में किया जाएगा। जिससे छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके।

कुलपति के निर्देश

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि हर कॉलेज से प्रत्येक अकादमिक सत्र का अकादमिक ऑडिट कराया जाए। ई लर्निंग तथा ई कन्टेन्ट को बढ़ावा दिया जाए। छात्र परामर्शदाता नियुक्त करने और खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी कुलपति ने जोर दिया। बैठक में उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों को इन सभी बिंदुओं पर मूल्यांकन करना होगा। इससे महाविद्यालयों का अकादमिक स्तर काफी सुधरेगा। इस मौके पर महाविद्यालय विकास परिषद के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश त्रिपाठी, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. अनिल मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना, अधिष्ठाता नियुक्ति प्रो. मनुका खन्ना, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. अरविन्द मोहन, अधिष्ठाता शोध प्रो. मोनिशा बनर्जी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

AMRIT VICHAR Page 2

मंथन | लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने महाविद्यालयों प्राचार्यों से की ऑनलाइन वार्ता

महाविद्यालयों में व्यवस्थित होगा नया शैक्षिक सत्र

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में नया शैक्षिक सत्र 2020—21 व्यवस्थित होगा। सत्र पटरी पर इसके लिए महाविद्यालयों को बड़ी तैयारियां करनी होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने रविवार को 120 महाविद्यालयों के प्राचार्यों से ऑनलाइन वार्ता की।

इस दौरान तीन अहम मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें पहला, पिछले साल अकादमिक सत्र के दौरान महाविद्यालयों की उपलब्धियां व प्रगति का आकलन, दूसरा वर्तमान अकादमिक सत्र में महाविद्यालयों की योजनाएं और तीसरा नये सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया को सफल बनाना।

बैठक में शामिल महाविद्यालय विकास परिषद की ओर से प्रोफेसर अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि सीएस आईसी , स्पेन की वेबोमैट्रिक्स के नतीजों में लखनऊ विश्वविद्यालय प्रदेश के सभी शैक्षणिक विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान पर है। बैठक में कुलसचिव डॉक्टर विनोद कुमार सिंह , प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रोफेसर अनिल मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन, परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसरए. एम. सक्सेना , अधिष्ठाता नियुक्ति प्रोफेसर मनुका खन्ना, अधिष्ठाता अकादमिक प्रोफेसर अरविन्द मोहन, अधिष्ठाता शोध प्रोफेसर मोनिशा बनर्जी के साथी सभी प्राचार्य उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. आलोक राय।

ई-लर्निंग व कंटेंट विधियों को बढ़ाने की जरूरत

इस मौके पर कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि अकादमिक संस्थान का अस्तित्व ,उसकी महत्ता एवं उसकी उपयोगिता छात्रों से होती है। अतः किसी भी अकादमिक संस्थान का पहला उद्देश्य छात्र कल्याण, छात्र हित है। कुलपति ने कहा कि प्रत्येक महाविद्यालय से प्रत्येक अकादमिक सत्र का अकादमिक ऑडिट कराने, ई लर्निंग के साथ ई कंटेंट विधियों को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कहा कि छात्र परामर्शदाता नियत करने तथा खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा की महाविद्यालयों को इन सभी का मूल्यांकन कर उनका सारांश नियत प्रारूप पर विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना होगा तथा स्वमूल्यांकन करते हुए आवश्यक कदम उठाने होंगे।

बढ़ सकती है प्रवेश की तिथि

विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में स्नातक में प्रवेश की तिथि बढ़ सकती है, विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आवेदन करने का मौका छात्रों के पास 15 मई तक है, इसके बाद 14 जुलाई को होने वाली बैठक में तय होगा कि आवेदन की तिथि बढ़ेगी या नहीं, वहीं अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि 20 जुलाई तक मौका दिया जा सकता है।

पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में बड़ा बदलाव होगा

लविवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश 2020-21 में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। पीएचडी प्रवेश में यहां जुगाड़ नहीं चलेगा। विश्वविद्यालय ने प्रवेश के नियमों में बदलाव करने का फैसला लिया है।

प्रस्तावित पीएचडी ऑर्डिनेंस 2020 में इसे शामिल किया गया है। यहां अभ्यर्थी के एकेडमिक इंडेक्स को शामिल करने के साथ ही साक्षात्कार के दायरे को सीमित कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन के इस फैसले से यहां होने वाले शोध कार्यों की गुणवत्ता में बड़ा सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है। विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की बैठक आगामी 22 जुलाई को प्रस्तावित है। बैठक में इन नए पीएचडी ऑर्डिनेंस - 2020 को रखा जाएगा।

बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय में अभी तक पीएचडी में पंजीकरण पीएचडी ऑर्डिनेंस 2018 के हिसाब से किए गए हैं। इसके तहत चयनित अभ्यर्थी की अन्तिम मेरिट सूची प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन और साक्षात्कार के हिसाब से बनाई जाती है। इसमें, 70 प्रतिशत अंक प्रवेश परीक्षा और 30 प्रतिशत साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर निर्भर होते हैं।

अभी तक साक्षात्कार के वेटेज अधिक होने के कारण यहां जुगाड़ लगने की शिकायतें आती रही हैं लेकिन अब ऐसा संभव नहीं हो पाएगा।

नेट, जेआरएफ को वरीयता

पीएचडी प्रोग्राम में चयन में अब शोध प्रवेश परीक्षा (आरईटी) के साथ नेट/जेआरएफ, एकेडमिक इंडेक्स का भी मूल्यांकन किया जाएगा। 70 प्रतिशत अंक प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे। बचे हुए 30 प्रतिशत में नेट/जेआरएफ का वेटेज और एकेडमिक इंडेक्स के साथ वाइवा को आधार बनाया जाएगा। यहां वाइवा या साक्षात्कार के वेजेट के गिराकर 10 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। नेट/जेआरएफ वालों को भी शोध प्रवेश परीक्षा (आरईटी) और साक्षात्कार में शामिल होना होगा। शोध प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में 50 प्रतिशत सवाल रिसर्च मैथेडोलॉजी और 50 प्रतिशत सवाल विषय संबंधित होंगे। प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार दोनों में शामिल होना अनिवार्य होगा। शोध प्रवेश परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य होगा। उसके बाद ही आगे की प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।

DAINIK JAGRAN Page 4

छात्रों से ही अकादमिक संस्थानों का अस्तित्व

ऑनलाइन वैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कॉलेजों को किया संबोधित

जासं, लखनऊ : लविवि के महाविद्यालय विकास परिषद (सीडीसी) द्वारा कुलपति आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में संयुक्त महाविद्यालयों के प्रबंधक और प्राचार्य की ऑनलाइन बैठक हुई।

बैठक में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि अकादमिक संस्थान का अस्तित्व, उसकी महत्ता व उसकी उपयोगिता छात्रों से होती है। इसलिए किसी भी अकादमिक संस्थान का पहला उद्देश्य छात्र कल्याण व छात्र हित है। उन्होंने हर कॉलेज से प्रत्येक सत्र का अकादमिक ऑडिट कराने, ई-लर्निंग तथा ई-कंटेंट को बढ़ावा देने, छात्र परामर्शदाता नियुक्ति करने और खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने उन्होंने कहा की महाविद्यालयों को इन सभी बिंदुओं पर मूल्यांकन करना होगा। इस मौके पर महाविद्यालय विकास परिषद के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश त्रिपाठी, कुलसचिव डॉक्टर विनोद कुमार सिंह, प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. अनिल मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना, अधिष्ठाता नियुक्ति प्रो. मनुका खन्ना, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. अरविंद मोहन, अधिष्ठाता शोध प्रो. मोनिशा बनर्जी सहित कई लोग मौजूद रहे।

THE PIONEER Page 3

LU to review academic output of colleges

Lucknow (PNS): Vice-Chancellor of Lucknow University Alok Kumar Rai said the academic output by each college affiliated to the university would be reviewed and summary sheets would have to be forwarded by the colleges. He stressed on the holistic development of all the students of the colleges. The VC said this at a meeting with the associated colleges on Sunday. The meeting was called to discuss three main issues — the progress of previous academic session (2019-20), planning for the new session (2020-21) and admissions. Dean of College Development Council Audhesh K Tripathi urged the affiliated colleges to play a proactive role in growth and development of the university. Principals of almost 120 colleges participated in the online meeting, which was presided over by the LU Vice-Chancellor. He stressed on academic audit of each college for the previous academic year which would cover e-learning status and initiatives, placements, mentoring, research output, sports & cultural achievements among other issues. Registrar Vinod K Singh said that the last date for obtaining affiliation with LU was July 15.

Meanwhile, the department of English and Modern European Languages (LU) organised an interactive online session on 'Investigating texts and subject positions in post-colonial literature'. Head of the department Rani Uniyal started the session by welcoming and introducing two speakers. The first panel speaker was Mohammed Asim Siddiqui from Aligarh Muslim University. He delivered a lecture on 'Why is Edward Said important in post-colonial literature?"